लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

प्रभात प्रकाशन का 73वां स्थापित 1944

सुविचार

खुद की तरक्की में इतना वक्त लगा दो कि किसी दूसरे की बुराई का वक्त ही न मिले।

प्रभात

लखनऊ, सोमवार, 26 फरवरी 2018

अध्यात्म और सामाजिक समागम से ही व्यापार में सुगमता सम्भव : हिमांशु राय

कान्फ्रेन्स को संबोधित करते प्रो.हिमांशु राय

लखनऊ। प्रभात

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइन्सेज में आयोजित 'व्यापारिक तालमेल बढ़ाने में सामाजिक, आध्यात्मिक तथा तकनीकी आयाम का महत्व' विषयक कान्फ्रेन्स में वक्ताओं ने सुझाव व शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

जाने माने मैनेजमेंट गुरू, आई.आई.एम. लखनऊ के प्रोफेसर हिमांशु राय ने कहा कि नवीन टेक्नोलॉजी से इन्सानी जीवन में पैदा हुई क्रान्ति से हमारा जीवन पूरी तरह से बदल चुका है। इस पहल की प्रशंसा करते हुए प्रो0 राय ने आगे बताया कि इसका दूरगामी प्रभाव आगे देखने को मिलेगा जो निश्चित ही सकारात्मक होगा। उन्होंने कहा कि सही व्यवसाय केवल आध्यात्म और सामाजिक संयोग से ही सम्भव है।

संस्थान के सचिव शरद सिंह ने व्यापारिक तालमेल बढ़ाने में सामाजिक, आध्यात्मिक तथा तकनीकी आयाम के महत्व को उजागर करते हुए बताया कि वर्तमान परिदृष्य में यह आवश्यक है कि मनुष्य अपनी आन्तरिक शक्ति को पहचाने जिससे उसकी कार्यक्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सके।

वैज्ञानिक प्रो. भरत राज सिंह ने कहा कि इस सारगर्भित चर्चा का सकारात्मक परिणाम आगे देखने को मिलेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये विद्वानों ने कुल 165 शोधपत्र प्रस्तुत किये।